अनुसूचित जाति उप योजना (एससीएसपी) के तहत आय दुगूनी करने के लिए कृषि कार्यो में लघु अंतः क्षेप पर प्रदर्शन सह प्रशिक्षण कार्यक्रम

अनुसूचित जाति की आजीविका में सुधार के लिए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् का पूर्वी अनुसंधान परिसर पटना में तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम ''किसानों की आय दुगूनी करने के लिए कृषि कार्यो में लघु अंतःक्षेप'' का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के दौरान अनुसूचित जाति उप योजना (एससीएसपी) योजना का कार्यान्वयन भी संस्थान के द्वारा किया गया।

अपने उद्घाटन भाषण में, डॉ. उज्जवल कुमार, निदेशक, भाकृअनुप–आरसीईआर ने किसानों से फसलों की खेती के लिए छोटे हस्तक्षेप के साथ उन्नत तकनीक को अपनाने का आग्रह किया ताकि गुणवत्तापूर्ण उपज के साथ बेहतर उपज प्राप्त हो सके। डॉ उज्जवल ने किसानों को वर्तमान समय में चल रही कविड –19 की महामारी को मध्यनजर रखते हुए स्वच्छता के महत्व को समझाया। समापन समारोह के दौरान किसानों को स्वच्छता सामग्री (सफेद तौलिए) वितरित की गई। पटना जिले के नौबतपुर प्रखंड जिसमें अनुसूचित जाति की संख्या 51–75 प्रतिशत है उनमें से 210 अनुसूचित जाति के किसान परिवार लाभान्वित हुए हैं। विभिन्न वैज्ञानिक गण, डॉ कमल शर्मा, डॉ विकास सरकार (प्रमुख वैज्ञानिक), डॉ रीना कमल, डॉ रोहन कुमार रमन, डॉ वेद प्रकाश, डॉ अभिषेक कुमार दुबे, डॉ पवन जीत, डॉ एन राजू और डॉ गोविंद मकराना (वैज्ञानिक) ने किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए उनसे बातचीत की। इस कार्यक्रम के दौरान कविड –19 के सभी मापदंडो की अनुपालना की गई।